STUDY STUDY ON AN ORGANIC FARMING IN HAMI VILLAGE OF MAHUADANR, LATEHAR, JHARKHAND

A DISSERTATIN SUBBMITTED TO ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR

AFFILIATED TO NILAMER PITAMBER UNIVERSITY

BACHELOR OF ARTS

BY

GROUP – D

Mr. VIVEK KUJUR (Reg. No NPU2020013148)

Mr. SUMIT EKKA (Reg. No NPU2020013177)

Miss. SHEELA KUJUR (Reg. No NPU2020013372)

Miss. PRAGYA KUJUR (Reg. No NPU2020013216)

Miss. NIPUN TIRKEY (Reg. No NPU2020013339)

Under the guidance of

Assit. Prof. SHEPHALI PRAKASH

(M.A. UGC NET)

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR

Nationally accredited with Grade B (NAAC)

MAHUADANR, LATEHAR, JHARKHAND – 822119

CERTIFICATE

This is to certify that the dissertation entitled **"STUDY ON AN ORGANIC FARMING IN HAMI VILLAGE"** submitted to St, Xavier's College Mahuadanr in partial fulfilment of requirement for the award of Bachelor of Arts in Geography to awarded by the University of Nilamber Pitamber is a bonafide record of the work carried out by Group 'D'

Mr. VIVEK KUJUR	**(Reg. No NPU2020013148)**
Mr. SUMIT EKKA	**(Reg. No NPU2020013177)**
Miss. SHEELA KUJUR	**(Reg. No NPU2020013372)**
Miss. PRAGYA KUJUR	**(Reg. No NPU2020013216)**
Miss. NIPUN TIRKEY	**(Reg. No NPU2020013339)**

During the academic year 2020 – 2023

st. Prof. SHEPHALI PRAKASH

partment of Geography

Xavier's College Mahuadanr

ehar, Jharkhand – 822119

Head of the Department
Dept. of Geography
St. Xavier's College, Mahudanr
Latehar, Jharkhand - 822119

Asst. Prof. SHEPHALI PRAKASH

PRAKASH ASSISTANT

Dissertation Guide

St. Xavier's College Mahuadanr

Latehar, Jharkhand – 822119

ACKNOWLEDGEMENT

irst of all we praise and thank the **ALNIGHTY GOD** from the depth of heart for showering s grace, love and blessing to make this endeavour possible.

'e are profoundly thankful to our beloved principal, **Fr. MK. Joseph SJ** for allowing us to ıdy the under graduate cource in thid historical institution.

e thank **Miss. Shephali Prakash, Head of the Department of Geography,** St. Xavier's ɔllege Mahuadanr – 822119 , for allowing us to take this dissertation and for permission to : the lab abe the instruments available in the department.

ssistant Prof. Shephalli Prakash (M.A. UGC NET) was our guide for this dissertation . : are extremely grateful for her inspiring guidance, useful discussion and encouragement roughout the dissertation and whose meticulous and patient guidance has enriched us rsonally and intellectually.

e express our heartfelt thanks to all my fellow students who encouraged us to finish this ssertation successfully

Vivek Kujur **VIVEK KUJUR**

Sumit Ekka **SUMIT EKKA**

Nipun Tirkey **NIPUN TIRKEY**

Sheela Kujur **SHEELA KUJUR**

Pragya Kujur **PRAGYA KUJUR**

विषय सूची

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या	हस्ताक्षर
1	प्रमाण पत्र		
2	स्वीकृति		
3	जैविक खेती का परिचय	1	
4	विश्व में जैविक खेती	2	
5	भारत मे जैविक खेती	2	
7	जैविक खेती में प्रयोग किए जाने वाले उर्वरक	3	
8	जैविक खेती के घटक	4	
9	जैविक खेती के मूल सिद्धांत	5	
10	जैविक खेती मे कीट नियंत्रण	5 – 6	
11	अध्ययन क्षेत्र का भगोलिक वर्णन 11.1 महुवाडाँड़ की भगोलिक स्थिति 11.2 महुवाडाँड़ का आंकड़ा 11.3 हामी गांव की सामाजिक संरचना 11.4 महुवाडाँड मे भूमि और प्राकृतिक संसाधन 11.5 पाई चार्ट	7 – 13	
12	पर्यटक स्थल 12.1 लोध जलप्रपात 12.2 नेतरहाट 12.3 सुग्गा बांध	14 – 17	
13	जैविक खेती की आवश्यकता	18	
14	जैविक खेती का उदेश्य	19	
15	जैविक खेती का समस्या	20 – 21	
16	सुझाव	22 – 23	
17	जैविक खेती का महत्व	24	
18	जैविक खेती का लाभ	24 – 26	
19	निष्कर्ष	27	
20	ग्रंथ सूची	28	

निष्कर्ष

जैविक खेती से तात्पर्य फसल उत्पादन की इस पद्धति से है जिसमें रसायनिक उर्वरकों,कीटनाशियों, साग सब्जियों, पादप वृद्धि नियम को और पशुओं के भोजन में किसी भी रसायन का प्रयोग नहीं किया जाता बल्कि उचित फसल चक्र फसल अवशेष पशुओं का गोबर व मल मूत्र फसल चक्र में डालनी फसलों का समावेश हरी खाद और अन्य जैविक खादों का प्रयोग किया जाना चाहिए। सन 1960 के बाद से विश्व में जैविक उत्पादकों का बाजार काफी बड़ा है खेती जिसमें दीर्घकालीन व स्थिर उपज प्राप्त करने के लिए कारखानों में निर्मित रसायनिक उर्वरकों कीटनाशकों व खरपतवार नाशक तथा बुद्धि नियंत्रक का प्रयोग ना करते हुए जीवांश युक्त खादों का प्रयोग किया जाता है तथा मृदा एवं पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है। जैविक खेती कहलाती है। विश्व में जैविक खेती 2021 में ऑस्ट्रेलिया 35 दशमलव 69 मिलियन हेक्टेयर की जैविक कृषि भूमि क्षेत्र के साथ पहले स्थान पर था और भारत में जैविक खेती कृषक ओं की संख्या के मामले में प्रथम तथा जैविक कृषि क्षेत्रफल के मामले में नौवें स्थान पर स्थित है। जैविक खेती में प्रयोग किए जाने वाले उर्वरक हरी खाद कंपोस्ट, गोबर की खाद आदि। पौधों के विकास के लिए मिट्टी का उचित उपजाऊ पर महत्वपूर्ण है पूर्व में नाम पौधे के विकास चरणों के दौरान ज्यादातर नाइट्रोजन इसके अलावा फास्फोरस और पोटेशियम की भी जरूरत होती है। इसलिए कुछ सबसे अच्छे जैविक उर्वरक में शामिल है।